हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 18 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 35 .7डिग्री
न्यूनतम 22 .2 डिग्री

11 बैंक 31 जुलाई तक कर्जदार किसानों का प्रीमियम काटें

12 सीईटी की परीक्षा नकल रहित संपन्न करवाने ...

खबर संक्षेप

रेगुलर व री-अपीयर की परीक्षा का परिणाम जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने मई 2025 में आयोजित-बैचलर ऑफ टूरिज्म एंड ट्रेवल मैनेजमेंट चार वर्षीय के आठवें सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर, बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन के चौथे सेमेस्टर, बीबीए, बीबीए-बीई, बीबीए-सीएएम व बीबीए सेकेंड के छठे सेमेस्टर की फुल व री-अपीयर, एम.कॉम आनर्स- छठे व दसवें सेमेस्टर की फ्रेश व री-अपीयर, सर्टिफिकेट कोर्स इन हारमोनियम-प्रथम सेमेस्टर फ्रेश, एमएससी-माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी, कंप्यूटर साइंस डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग, कंप्यूटर साइंस के चौथे सेमेस्टर की फ्रेश व री-अपीयर, बी. फार्मेसी के सातवें सेमेस्टर की री-अपीयर तथा आठवें सेमेस्टर की रेगुलर व री-अपीयर की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है।

31 से 31 अगस्त तक विशेष कोचिंग क्लासेज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कंपीटिटिव एग्जामिनेशन आगामी 14 सितंबर को निर्धारित सीडीएस (II) 2025 परीक्षा की तैयारी के लिए 31 जुलाई से 31 अगस्त तक विशेष कोचिंग क्लासेज का आयोजन करेगा। यूसीसीई निदेशक प्रो. जेएस हुड्डा ने बताया कि यूटीडी समेत संबद्ध महाविद्यालयों तथा अन्य विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी इस कोचिंग बैच में एडमिशन के लिए 31 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को यूसीसीई लाइब्रेरी की सुविधा भी उपलब्ध होगी। कक्षाएं 31 जुलाई से ऑफलाइन मोड में प्रारंभ होंगी। विस्तृत जानकारी के लिए यूसीसीई कर्मी अशोक कुमार से फोन पर संपर्क किया जा सकता है।

युवक को अवैध हथियार सहित किया गिरफ्तार

रोहतक। सीआईए-1 की टीम ने युवक को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-1 प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि युवक को शक के आधार पर काबू किया। युवक की पहचान संदीप उर्फ बच्चा निवासी सिसर खास के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल व 15 रौंद बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ महम में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

छात्रों की सहायता के लिए लगाया हेल्प डेस्क

रोहतक। छात्र संगठन ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट्स आर्गेनाईजेशन ने पोस्ट ग्रेजुएट विषयों की प्रवेश परीक्षा के लगातार तीसरे दिन छात्रों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क लगाया। छात्र नेता उमेश मौर्य ने कहा कि एआईडीएसओ के कार्यकर्ताओं ने छात्रों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में आ रही कठनाइयों का समाधान किया गया। यूनिवर्सिटी में राजनीति विज्ञान, एलएलबी, इतिहास और एलएलएम की प्रवेश परीक्षा हुई। जिसमें पूरे हरियाणा से हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया।

नशीले पदार्थ सहित तस्कर गिरफ्तार

रोहतक। हरियाणा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की करनाल यूनिट ने रोहतक के थाना लाखन माजरा के एरिया में रोहतक-जींद राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक होटल से नशीला पदार्थ के अवैध कारोबार में लिप्त एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 264 ग्राम चरस और 4.406 किलोग्राम डोडापोस्त बरामद हुआ है। एएसआई नरेंद्र कुमार टीम के साथ रोहतक-जींद राष्ट्रीय राजमार्ग पर इंद्रगढ़ टोल प्लाजा के पास मौजूद थे।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2024: नगर निगम ने 84 अंकों की छलांग लगाई

रोहतक नगर निगम ने देशभर में प्राप्त किया 25वां रैंक, पहली बार वाटर प्लस घोषित हुआ शहर

हाल ही में हुए सर्वेक्षण में रोहतक ने प्रदेश में 5वां व बिग सिटी में प्रथम स्थान प्राप्त किया था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

केंद्र सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 का परिणाम घोषित किया गया है, जिसमें 84 अंकों की छलांग लगाते हुए रोहतक नगर निगम ने 25वां स्थान पाया है। इससे पहले रोहतक को 2023 में 109 वी रैंक मिली थी। जिसके बाद नगर निगम ने काफी मेहनत की और उच्च रैंक प्राप्त की। साथ ही 2022 में 38वीं, 2021 में 49वीं और 2020 में 35 वीं रैंक मिल चुकी है। साथ ही हाल ही में हुए सर्वेक्षण में रोहतक ने हरियाणा राज्य में 5वां व बिग सिटी में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। भारत सरकार द्वारा स्टार रेटिंग में नगर निगम, रोहतक को 1 स्टार प्राप्त हुआ व इसके साथ-साथ रोहतक शहर पहली बार वाटर प्लस शहर भी बना है। भारत सरकार द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण-2024 का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें कुल 4589 छोटे-बड़े शहरों ने भाग लिया था। जिसमें यह रैंक मिली है। निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि भविष्य में इस रैंक को सुधारने के लिए अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा हरियाणा में बिग सिटी (3 से 10 लाख की जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी) में रोहतक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इनके योगदान से मिला रैंक: शहर को स्वच्छ बनाने में रोहतक वासियों, सफाई सैनिकों, जिला प्रशासन, मार्केट, होटल व बैंक्वेट हॉल एसोसिएशन, ओद्योगिक एसोसिएशन, मेडिकल एसोसिएशन, समाज सेवी संस्थाए, धार्मिक संस्थान, आरडब्ल्यूए, शिक्षण संस्थान, स्वयं सहायता समूह, निगम अधिकारी वकर्मचारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा हैं।

सर्वेक्षण का परिणाम

इन बिंदुओं पर होता है सर्वे

नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि सरकार सर्वेक्षण के दौरान कई पहलुओं पर काम करती है। शहरों में टीम भेजी जाती हैं। जो शहर के लोगों के कूड़ा फेंकने, कूड़े का उठान समय पर होने अथवा ट्रिटमेंट प्लांट का निरीक्षण करती हैं। इस दौरान शहर के शौचायलों सहित कई बिंदुओं पर रैंक तैयार किए जाते हैं। इसमें रोहतक को कामयाबी मिली है। अगली बार इससे और कम रैंक लेने का प्रयास किया जाएगा।

आमजन के सहयोग से मिली सफलता

रोहतक शहर को स्वच्छता रैंकिंग में भारतवर्ष में 25वां, हरियाणा राज्य में 5वां व बिग सिटी (3 से 10 लाख की जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी) में प्रथम प्राप्त होने में आमजन का सहयोग रहा। रोहतक शहर को स्वच्छ बनाना आमजन के सहयोग के बिना संभव नहीं है। भविष्य में होने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 के सभी मदों पर गहनाता से कार्य किया जाएगा। शहर को स्वच्छता रैंकिंग में सर्वोच्च स्थान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगें। -**रामअवतार वाल्मीकि**, मेयर रोहतक

निगम को अब तक देशभर में मिली रैंकिंग

2016 की रैंक - 288वीं
2017 की रैंक - 295वीं
2018 की रैंक - 89वीं
2019 की रैंक - 69वीं
2020 की रैंक - 35वीं
2021 की रैंक - 49वीं
2022 की रैंक - 38वीं
2023 की रैंक -109वीं

स्वच्छता सर्वेक्षण में महम नपा ने लगाई छलांग, राज्य स्तर पर मिला 24वां स्थान

पिछले वर्ष 37वें पायदान पर थी महम नगर पालिका की रैंकिंग

- वर्ष 2023-24 में नपा महम की रैंकिंग राज्य स्तर पर 37 थी, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 2612वां स्थान प्राप्त हुआ था

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

स्वच्छता सर्वेक्षण में महम नगर पालिका ने इस बार एक नई पहचान बनाई है। पिछले साल जहां नगर पालिका महम स्वच्छता सर्वेक्षण में 37वें पायदान पर थी। लेकिन इस बार के स्वच्छता सर्वेक्षण में महम नपा ने 24वां स्थान हासिल किया है। आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा किए गए स्वच्छता सर्वेक्षण के बाद रैंकिंग दिए गए हैं। इस सर्वेक्षण में महम नगर पालिका को राज्य स्तर पर 24वां रैंक मिला है। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 366वां स्थान प्राप्त किया है। आवास और शहरी मामलों के मत्रांलय द्वारा वर्ष 2024-25 की स्वच्छता रैंकिंग जारी की गई है। वर्ष 2023-24 में नगर पालिका महम की रैंकिंग राज्य स्तर पर 37 थी। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर 2612वां स्थान प्राप्त हुआ था।

महम। नगर पालिका महम का भवन। फोटो : हरिभूमि

कलानौर को 31वां स्थान

नगर पालिका सचिव नवीन नांदल ने बताया कि आस पास के शहरों की बात करें तो नगर पालिका कलानौर को राज्य स्तर पर 31वां स्थान व राष्ट्रीय स्तर पर 458वां स्थान प्राप्त हुआ है। नगर पालिका सांपला को राज्य स्तर पर 34वां स्थान व राष्ट्रीय स्तर पर 493वां स्थान प्राप्त हुआ है। सभी सफाई कर्मचारियो व ज भागीदारी के कारण नगर पालिका महम को यह स्थान प्राप्त हुआ है तथा सभी शहर वासियो से अपील की जाती है कि अपने महम शहर को साफ सुथरा बनाने के लिए अपने कचरे को डोर टू डोर आने वाली नगर पालिका की गाड़ियों में ही डालें। नगर पालिका प्रधान भारती पंवार ने कहा कि यह रैंकिंग टीम वर्क से प्राप्त हुई है तथा उन्होंने सभी कर्मचारियो को शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि वे उम्मीद करती हैं कि नगर पालिका महम को अगले सर्वेक्षण में प्रथम रैंकिंग प्राप्त हो।

निगम आयुक्त ने नागरिक सुविधा केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

कूड़ा फेंकने वालों के किए 65,000 के चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस दौरान नगर निगम ने सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। जहां हर वार्ड में गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जा रही है वहीं कूड़ा फेंकने वाले लोगों के भी चालान किए जा रहे हैं। टीम द्वारा 65000 रुपये के चार चालान किए गए। इन लोगों पर आरोप है कि वह सड़कों पर बड़े स्तर पर कूड़ा डाल रहे थे। नगर निगम आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि नगर निगम अधिकारियो को निर्देश दिए थे कि शहर में सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा घर-घर से कूड़ा के कार्य की निरंतर निगरानी की जाए। नगर निगम सफाई शाखा टीम अब निरंतर फिल्ड में कार्य करेंगी तथा गंदगी फैलाने वालों के चालान करेगी। नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था में निरंतर सुधार किया जा रहा है। घर-घर से कूड़ा लेने वाले वाहनों की संख्या बढ़वाई जा चुकी है। अब गंदगी फैलाने वालों पर सख्ती से कार्य किया जाएगा। निगम आयुक्त ने निगम कार्यालय में बने नागरिक सुविधा केन्द्र का औचक निरीक्षण कर वहां चल रहे टोकन सिस्टम की व्यवस्था की जांच की। जिस दौरान उपनिगम आयुक्त को निर्देश दिए गए हैं कि हैल्प डैस्क पर कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई जाये ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मौके पर नागरिक सुविधा केन्द्र में उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित कर्मचारी को आवश्यक

रोहतक। कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को झंडी दिखाते हुए पूर्व मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर व मेयर रामअवतार वाल्मीकि।

रोहतक। नगर निगम काउंटर का निरीक्षण करने पहुंचे आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा।

कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई

कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ा दी गई है। 50 से ज्यादा गाड़ियों को पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर, मेयर रामवअतार वाल्मीकि ने झंडी दिखाकर रवाना किया। मेयर ने कहा कि टेंडर हाल ही में किया गया है। आने वाले दिनों में सफाई व्यवस्था और बेहतर हो जाएगी।

बंगला साहिब गुरुद्वारे के पूर्व प्रधान अवतार सिंह कोचर से मांगी गई थी रंगदारी

कपिल सांगवान उर्फ नंदू की तलाश करेगी एसआईटी, डोली सरदार को मिला गनमैन

- एसपी नरेंद्र बिजराणिया ने एसआईटी गठित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर के जाने-माने कारोबारी और बंगला साहिब गुरुद्वारे के पूर्व प्रधान अवतार सिंह कोचर उर्फ डोली सरदार से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के मामले में एसपी नरेंद्र बिजराणिया ने एसआईटी गठित की है। जांच टीम अब मैसेज भेजने वाले बदमाश कपिल सांगवान उर्फ नंदू का पता लगाएगी। साथ ही व्यापारी डोली सरदार और उनके परिवार को सुरक्षा दी गई है, ताकि उनकी सुरक्षा में कोई चूक न हो। वहीं, पुलिस इस मामले में आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है। साइबर सैल भी अपने स्तर पर जांच पड़ताल कर रही है। बता दें कि भिवानी स्टैंड निवासी डोली सरदार को 14 जुलाई की शाम फोन पर मैसेज आया। जिसमें 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। बदमाश ने कहा कि कि पांच करोड़ रुपये का इंतजाम करना होगा। यदि उसने ऐसा नहीं किया तो उसके परिवार की हत्या कर दी जाएगी। डोली सरदार ने बताया कि धमकी भरा मैसेज मिलने के बाद से परिवार में भय का माहौल बना हुआ है।

हरिभूमि में प्रकाशित खबर

आरोपियों की पहचान की जा रही

बंगला साहिब गुरुद्वारे के पूर्व प्रधान अवतार सिंह कोचर उर्फ डोली सरदार से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगने की शिकायत मिली थी। बृहस्पतिवार सुबह ही उन्हें सुरक्षा मुहैया करा दी है। साथ ही एक टीम गठित करके आरोपियों की पहचान की जा रही है। - **नरेंद्र बिजराणिया**, एसपी रोहतक

लापरवाही गत 29 जनवरी से लोगों को नहीं मिल रही आबोहवा की जानकारी

एमडीयू स्थित सीएएक्यूएम स्टेशन पर खुद ही चढ़ी प्रदूषण की परत, 6 महीने नहीं कर रहा काम

- एनओ 2, ओ-3, एच- 2 एस, एनएच- 3, सीओ के बारे में भी चौबीसों घंटे स्टेशन अपडेट देता

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

रोहतक शहर की आबोहवा कैसी है, इसकी अधिकारिक जानकारी लोगों को छह महीने से नहीं मिल रही है। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय स्थित कंटीन्यूअस एम्बिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन (सीएएक्यूएम) गत 29 जनवरी से बंद पड़ा है। ये कब दोबारा से काम करना शुरू करेगा, इस बारे में फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता। एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग से यह जानकारी मिलती है कि पीएम10, पीएम2.5, एसओ 2 की मात्रा कितनी है। इसके अलावा एनओ 2, ओ-3, एच- 2 एस, एनएच- 3, सीओ के बारे में भी चौबीसों घंटे स्टेशन अपडेट देता है। ध्यान रहे कि इस स्टेशन को केंद्रीय प्रदूषण बोर्ड ने समीर एप से जोड़ा हुआ है। लोग इस एप के माध्यम से ही रोहतक शहर की आबोहवा के बारे में जान पाते हैं।

मानसून के बाद दिक्कत

फिलहाल मानसून सीजन चल रहा है। इसलिए वायु प्रदूषण पर निगाहें रखने की जरूरत नहीं होती है। क्योंकि बारिश के मौसम में एक्यूआई सामान्य ही रहता है। मानसून की विदाई के तुरंत बाद आबोहवा काफी खराब हो जाती है। ऐसे हालातों में अगर प्रशासन के पास ये जानकारी ही नहीं होगी कि शहर का एक्यूआई लेवल कितना है तो इंतजाम कैसे होंगे, ये अंदाजा कोई भी सहज ही लगा सकता है। बताया जा रहा है कि जिस कंपनी ने स्टेशन स्थापित किया था,उसका अनुबंध गत जनवरी में खत्म हो चुका है। इसलिए कंपनी ने सरकार को डाटा भेजना बंद कर दिया। ध्यान रहे कि सीएएक्यूएम स्टेशन अपना डाटा ऑनलाइन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेजता है। इस डाटा का विशेषज्ञ लगातार विश्लेषण करते रहते हैं। किस एरिया में कितना एक्यूआई है और इसमें कितनी बढ़ोतरी हो रही है, इस पर सीएएक्यूएम स्टेशन से ही नजर रखी जाती है। देशभर में इस समय 217 स्थानों पर स्टेशन स्थापित किए जा चुके हैं। क्योंकि देश में प्रदूषण की समस्या लगातार विकराल रूप धारण करती जा रही है। पॉल्यूशन नियंत्रण करने पर सुप्रीम कोर्ट भी सरकार को लताड़ लगा चुकी है। सबसे ज्यादा दिक्कतें उस समय खड़ी हैं तो जब अक्टूर-नवंबर में धान की कटाई प्रारंभ होती है। किसान पराली को जलाते हैं, जिससे प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच जाता है। पिछले दिनों करवाए गए अध्ययन में पाया गया था कि प्रदूषण फैलाने में पराली मुश्किल से 15-16 प्रतिशत ही जिम्मेदार है।

ये हैं मानक

एक्यूआई 0 से 50 का मतलब है कि वायु गुणवत्ता अच्छी है। यानी के हवा में प्रदूषण का स्तर बहुत कम है। और स्वास्थ्य के लिए कोई खतरा नहीं है। 51 से 100 तक का अर्थ ये है कि वायु गुणवत्ता मध्यम है। इसका मतलब है कि वायु गुणवत्ता स्वीकार्य है, लेकिन कुछ लोगों को, विशेष रूप से संवेदनशील समूहों को, वायु प्रदूषण के कारण कुछ स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। 101 से 150 के बीच होने पर वायु गुणवत्ता संवेदनशील समूहों के लिए अस्वस्थ होती है। 151 से 200 के बीच, अस्वस्थ माना जाता है। 201 और 300 के बीच स्वास्थ्य चेतावनी जारी करता है। 300 से अधिक है तो पूरी आबादी पर इसके गंभीर स्वास्थ्य प्रभाव पड़ते हैं।

अधिकारियों से बात कर बताउंगा

सीएएक्यूएम स्टेशन क्यों बंद है। इस बारे में उच्च अधिकारी ही बता सकते हैं। हो सकता है कि किसी तकनीकी वजह से ये काम न कर रहा हो। मैं अधिकारियों से बात करके इस बारे में ठीक-ठीक बता सकता हूं।
-**दिनेश कुमार, रीजनल ऑफिसर**, रोहतक

बिना मान्यता चल रहे 93 प्ले स्कूलों को नोटिस जारी

- 10 दिन में मान्यता के लिए आवेदन करें स्कूल प्रबंधक
- निर्धारित अवधि में मान्यता के लिए आवेदन न करने वालों के विरुद्ध होगी नियमानुसार कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार जिला में बिना मान्यता चल रहे प्ले स्कूलों पर सख्ती बरतते हुए 93 प्ले स्कूलों को नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग ने सभी स्कूल प्रबंधकों को 10 दिन में मान्यता के लिए आवेदन कर आवेदन करने को कहा गया है। यदि प्रबंधक तय सीमा के अंदर मान्यता के लिए आवेदन नही करते है तो संबंधित स्कूलों के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। अचानक हरकत में आए विभाग की वजह से स्कूल संचालकों में हड़कम्प मचा हुआ है।

विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी ने बताया कि विभाग की ओर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाईजरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे अपने क्षेत्रों में अवैध रूप से चल रहे प्ले स्कूलों की पहचान करें। उन्होंने बताया कि फिलहाल जिले में केवल 3 प्ले स्कूल ही विभाग से मान्यता प्राप्त हैं, जबकि अन्य स्कूल बिना अनुमति के छोटे बच्चों को दाखिला देकर नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। छोटे बच्चों की सुरक्षा समुचित देख-रेख और गुणवत्तापूर्ण प्रारम्भिक शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों का मान्यता प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राइवेट प्ले स्कूलों को मान्यता राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से दी जाती है।

स्पेशल : नेशनल मैंगो-डे, 22 जुलाई

मजेदार किस्सों से भरे मीठे-रसीले आम

आम का नाम सुनते ही इन्हें खाने के लिए मन ललचा जाता है। ललचाए भी क्यों ना, यह खाने में मीठे, रसीले के साथ खट्टे-चटपटे भी होते हैं। तरह-तरह के आमों के पीछे मजेदार किस्से छुपे हैं, एक रोचक इतिहास है। बच्चो, आमों से जुड़ी तुम्हारे लिए बहुत ही रोचक जानकारी।

रोचक
देवेंद्र मेवाड़ी

एआई इमेज

नन्हे दोस्तो, तुम्हें मीठे-मीठे रसीले आम खाने में खूब मजा आता होगा। आज हम तुम्हें आम से जुड़ी कई कहानियां और इतिहास बताते हैं।

कहां हुआ आम का जन्म

आम का जन्म वहीं हुआ, जहां हमारा जन्म हुआ! मतलब आम और हमारी जन्मभूमि भारत ही है। वैज्ञानिक कहते हैं कि हमारे देश में आम का जन्म हजारों वर्ष पहले इसके पूर्वी भाग में हुआ। भारत के साथ-साथ बर्मा मतलब म्यांमार में भी आम का जन्म हुआ। भारत में कम से कम 5,000 साल से आम उगाया जा रहा है।

इतिहास के झरोखे में आम

सिकंदर जब भारत पर आक्रमण करने के लिए आया तो उसने सिंधु घाटी में पहली बार आम के पेड़ देखे। चीनी बौद्ध यात्री ह्वेनसांग ने भी भारत में आम के पेड़ देखे। वह अपने साथ आम को चीन ले गया। प्रसिद्ध विदेशी यात्री इब्न-बतूता ने तो लिखा है कि भारत के लोग आम के फलों को चूसते हैं या काट कर खाते हैं और कच्चे आम का अचार डालते हैं। मुगल बादशाहों ने भी आम की बड़ी तारीफ की है। बाबर ने इसे हिंदुस्तान का सबसे उम्दा फल बताया। अकबर ने बिहार में दरभंगा के लालबाग में आम के एक लाख पेड़ों का बाग लगवाया। पुर्तगाली जब भारत आए तो उन्होंने केरल में पहली बार आम देखा। वहां लोग मलयालम भाषा में इसे मामपलम कहते थे। पुर्तगाली इस फल को मांगो कहने लगे। बाद में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने इस मांगो को मैंगो कहना शुरू कर दिया।

किस्म-किस्म के आम

दोस्तो, भारत से आम दुनिया भर में फैला। फिर भी आज दुनिया में इसकी सबसे अधिक बागवानी हमारे देश में ही की जाती है। इसकी एक-दो नहीं बल्कि सैकड़ों किस्में हैं। इतनी कि अगर आम के नाम बताने लगें तो ना जाने कितने पन्ने भर जाएंगे। लो जानो आमों की अनगिनत वैरायटीज में से कुछ के नाम- दशहरी, चौसा, लंगड़ा, सफेदा, बंबइया, बंगलौरा, गुलाब खास, जर्दालू, फजली, समर बहिश्त चौसा, नीलम, सुवर्ण रेखा, बंगनपल्ली, पैरी, मलगोवा, मल्लिका, अल्फांसो, आम्रपाली आदि। यानी, देश के हर कोने में हर किसी के लिए आम की कोई न कोई किस्म जरूर है।

आमों के किस्से

दोस्तो, किस्म-किस्म के आमों के किस्से भी बहुत मजेदार हैं। 'लंगड़ा' को ही ले लो। भला, लंगड़ा किस लिए? इसलिए कि इस किस्म के आम का पहला पेड़ बनारस में एक लंगड़े फकीर बाबा के घर के पिछवाड़े में उगा था! वहीं से चारों ओर फैला। और, स्वादिष्ट दशहरी, यह लखनऊ के पास मलीहाबाद के दशहरी गांव में पैदा हुआ। इसका स्वाद इतना अच्छा था कि आम लोगों ने तो इसे मुंह लगाया ही, लखनऊ के नवाबों और वजीरों ने भी इसे खूब पसंद किया। मलीहाबाद तहसील के ही चौसा गांव में लोगों ने जब पहली बार एक अलग स्वाद और सुगंध वाला आम चखा तो उसका नाम 'समरबहिश्त चौसा' रख दिया। और फजली, फजली क्यों कहलाया? इस बारे में कहते हैं, बिहार के भागलपुर में एक औरत थी, फजली। पहली बार उसी के आंगन में फला-फूला था यह आम। इसे पालने-पोसने वाली फजली के नाम पर यह फजली कहलाया। भागलपुर से यह पूरे बिहार में ही नहीं, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और पंजाब तक फैल गया। अब सुनो कलमी आम की कहानी। कलम लगाने की कला ने किस्म-किस्म के आम पैदा करने में हमारी बड़ी मदद की है। यों तो मुगल बादशाहों के जमाने में आम की खूब कलमें बांधी गईं, लेकिन आज कलम लगा कर आम की एक से एक बढ़िया किस्म तैयार की जा रही है। इस कला में भी मलीहाबाद, लखनऊ के हाजी कलीम उल्ला खान साहब ने तो कमाल ही कर दिखाया है। वे कलम लगा कर आम के एक ही पेड़ में 300 से भी अधिक किस्मों के आम पैदा कर चुके हैं।

हाजी कलीम उल्ला खान साहब

दोस्तो, विदेशी लोग यह देखकर हैरान रह जाते हैं कि हम खट्टे-मीठे आमों का किस-किस तरह से स्वाद ले लेते हैं। कच्चे आम की चटनी और अचार बना लेते हैं। पके हुए देशी आम को मजे से चूस लेते हैं और कलमी आम को सफाई से काट कर सलीके से खाते हैं। लू की लपटों से बचने के लिए आम का 'पना' बना लेते हैं तो पके फलों को दूध में घोट कर मैंगो शेक तैयार करते हैं। आम के रस और गूदे से अमावट यानी आम-पापड़, अंबापोली और आम-पट्टी बना लेते हैं। आम का स्क्वैश, जैम, जैली और मुरब्बा भी बना लेते हैं।

नन्हे प्यारे दोस्तो, एक बात जरूर याद रखना, आम बहुत पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन ए, विटामिन सी और कई खनिज पाए जाते हैं। इसलिए दोस्तो, आम के गुण गाए जाओ और खूब आम खाए जाओ। *

दुनिया का सबसे मीठा-कीमती आम

दोस्तो, मीठे आम तो हम सभी को पसंद हैं, लेकिन जानते हो, दुनिया में सबसे अधिक मीठा आम कौन-सा है और कहां पैदा होता है? दुनिया का सबसे मीठा आम है काराबाओ मैंगो, जो फिलीपींस में पैदा होता है। इसे मनीला मैंगो भी कहते हैं। यह आम खूब मीठा होता है, इसमें रेशा नहीं होता। हमारे देश में अल्फोंसो हापुस सबसे स्वादिष्ट आम माना जाता है। बाजार में सबसे कीमती आम भी यही है। लेकिन, दुनिया का सबसे कीमती आम है जापान का मियाजाकी आम। एक किलो मियाजाकी आम की कीमत है करीब तीन लाख रुपए।

काराबाओ मैंगो

मियाजाकी मैंगो

स्पेशल : इंटरनेशनल आइसक्रीम-डे, 20 जुलाई

टिन्नी की बुरी आदत थी कि वह अपने भाई पीयूष के साथ कोई चीज शेयर नहीं करती थी, जबकि भाई उसका बहुत ख्याल रखता था। एक दिन कुछ ऐसा हुआ कि टिन्नी ने अपनी यह बुरी आदत स्वयं ही छोड़ दी।

आइसक्रीम ने सिखाया सबक

छोटी कहानी
अलका 'सोनी'

टिन्नी और पीयूष भाई-बहन हैं। टिन्नी की एक बुरी आदत है, वो कोई भी चीज अपने भाई के साथ शेयर नहीं करती है। लेकिन पीयूष कुछ नहीं कहता। उसे जब भी कोई चीज मिलती है तो अपनी छोटी बहन के साथ जरूर शेयर करता है। वीकेंड आने वाला था। संडे को पापा के साथ कहां विजिट करने जाना है, इसकी प्लानिंग दोनों भाई-बहन कर रहे थे। टिन्नी बोली, 'क्यों न इस बार मॉल चलें। आइसक्रीम-डे भी आने वाला है। हम वहां बढ़िया से बढ़िया आइसक्रीम खाएंगे।'

एआई इमेज

आइसक्रीम-डे को लेकर पीयूष और टिन्नी दोनों बहुत खुश थे। दोनों ने सोच रखा था कि आइसक्रीम के कम से कम दो-दो फ्लेवर तो खाएंगे ही। संडे आ गया। दिन भर बहुत गर्मी रही। शाम होने पर पीयूष-टिन्नी, पापा के साथ मॉल गए। वहां आइसक्रीम कॉर्नर पर ढेरों फ्लेवर की आइसक्रीम सजी थीं। कुछ दूर पर टर्किश आइसक्रीम वाला भी था। पीयूष टर्किश आइसक्रीम वाले के पास आ गया, उससे बातें कीं और फिर आइसक्रीम खाई। उसने साथ खड़ी टिन्नी को भी खिलाई। टिन्नी को टूटी-फ्रूटी आइसक्रीम चाहिए थी। वो पापा के साथ उसे लेने चली गई। वापस आने पर पीयूष ने टिन्नी से अपनी आइसक्रीम टेस्ट कराने को कहा तो उसने हमेशा की तरह मना कर दिया। पापा ने पीयूष को भी टूटी-फ्रूटी आइसक्रीम दिलवा दी। पीयूष और टिन्नी आइसक्रीम खाते-खाते मॉल से बाहर निकल आए। पापा दोनों को एक किनारे खड़ा कर अपनी कार पार्किंग से निकालने चले गए। तभी बात करते-करते आइसक्रीम टिन्नी की हाथों से छूटकर जमीन पर गिर गई। आइसक्रीम गिरने से टिन्नी रोने लगी। पीयूष उसे उदास देखकर उसके करीब आया और बोला, 'टिन्नी, तुम मेरी आइसक्रीम ले लो, मैं तो वैसे भी एक आइसक्रीम खा चुका हूं। ज्यादा खाऊंगा तो नुकसान पहुंचाएगी।'

इस बात पर टिन्नी चौंकी और बोली, 'तुम मुझसे अपनी आइसक्रीम शेयर करोगे? मैं तो कभी कोई चीज तुमसे शेयर नहीं करती।'

'तो क्या हुआ, तुम मेरी छोटी बहन हो। हमें एक-दूसरे से अपनी चीजें शेयर करनी चाहिए। अब इसे खा लो जल्दी से, नहीं तो यह भी गल कर गिर जाएगी।' यह कहकर पीयूष हंस पड़ा।

टिन्नी ने प्यार से अपने पीयूष भइया को गले लगा लिया। उसने मन ही मन अपने आप से प्रॉमिस कर लिया था कि वह भी अपने भइया के साथ हर चीज शेयर करके खाया करेगी। *

कविता / डॉ. मीरा सिंह 'मीरा'

आम रसीला

एआई इमेज

आओ मोहन आओ लीला
आओ खाएं आम रसीला।
लगे सभी को मीठा प्यारा
फल का राजा आम रसीला।
लाल-लाल कुछ पीला-पीला
बहुत निराला आम रसीला।
सीढ़ी लेकर दौड़ा राजू
पीछे दौड़ा राम छबीला।
हंसी खुशी सब चढ़े सीढ़ियां
लगे तोड़ने आम रसीला।
हंसकर बोला राम छबीला
सब मिल खाएं आम रसीला।।

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

अलग-अलग रंगों की कविताएं

बच्चो, तुम्हें कविताएं बहुत पसंद आती हैं। कुछ बच्चे तो इन्हें गाते-गुनगुनाते भी हैं। तुम्हारे लिए ऐसी ही कविताओं का एक नया संग्रह आया है, जिसे निरंकारदेव सेवक ने लिखा है। इसमें छोटी-बड़ी प्यारी-प्यारी 63 कविताएं संकलित हैं। कुछ छोटी तो इतनी छोटी हैं कि बस चार पंक्तियों में सिमटी हुई हैं, वहीं बड़ी कविताएं किताब के दो पृष्ठों तक में फैली हैं। संग्रह की इन सब कविताओं के अपने अलग और निराले रंग हैं। कहीं तो ये नन्हे बच्चों से बातें करती हैं तो कहीं एक भरा-पूरा किस्सा सुना देती हैं। कुछ कविताओं में तो सीख-भरी बातें भी पिरो दी गई हैं। संग्रह के शुरू में इसके संपादक की लिखी एक भूमिका भी है, जो इन कविताओं के लेखक और इनकी कविताओं के बारे में बहुत सी बातें बताती है। विशेष बात यह है कि इस किताब की कविताओं के साथ मोहक चित्र भी छपे हैं। *

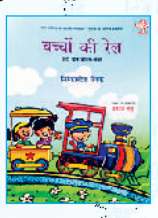

किताब : बच्चों की रेल (बाल कविता संग्रह), **लेखक :** निरंकारदेव सेवक, **चयन-संपादन :** प्रकाश मनु, **मूल्य :** 100 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली

जीके क्विज-162

1. अंतरिक्ष में जाने वाले भारत के पहले एस्ट्रोनॉट कौन थे?
2. एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला के साथ किन-किन देशों के एस्ट्रोनॉट्स इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) गए थे?
3. सबसे पहले किस विदेशी नागरिक को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था?
4. 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' किसकी आत्मकथा है?
5. उड़ने वाले एक मात्र स्तनधारी जंतु का क्या नाम है?
6. मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय कौन थीं?
7. नोवाक जोकोविच किस खेल के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं?
8. एचसीएल किस एसिड का रासायनिक सूत्र है?
9. महात्मा बुद्ध को किस स्थान पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी?
10. चंडीगढ़ किन दो राज्यों की संयुक्त राजधानी है?

बच्चो, जीके क्विज-162 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-161 का उत्तर : 1.आस्था पूनिया, 2. दिव्यांशी भौमिक, 3.पराग जैन, 4.1757 ईस्वी, 5.ब्यूनस आयर्स, 6.फुटबॉल, 7. स्फिग्मोमैनोमीटर, 8. जापानी येन, 9.थॉमस एडिसन, 10.सात

जीके क्विज-161 का सही उत्तर देने वाले : चंचल-गरियाबंद, सौरभ-बिलासपुर, सौम्या-जांजगीर, कबीर-हिसार, स्वप्निल-जांजगीर, रानू-राजनांदगांव, ओंकार-धमतरी, शुभम-भोपाल, श्वेता-रायपुर, जीतू-दुर्ग

कहानी
विजय सिंह चौहान

बारिश का मौसम हो, रिमझिम फुहारें पड़ रही हों और बच्चों को मस्ती ना सूझे, यह कैसे हो सकता है! सिया, रवि, अर्जुन और पीहू को भी बारिश में मस्ती सूझी। बच्चों ने खेल-खेल में बारिश का मजा ऐसे लूटा कि उन्हें समझ में आ गया कि जो मजा एकसाथ खेलने में है, वह मोबाइल पर वीडियो गेम खेलने में नहीं है।

बारिश का मजा

'बारिश शुरू हो गई!' सिया खिड़की से बाहर झांकते हुए खुशी से चिल्लाई। रवि, अर्जुन और पीहू भी भागे-भागे खिड़की पर आ गए। काले बादल गरज रहे थे। बारिश की फुहारें धरती को भिगो रही थीं। ठंडी हवा बह रही थी। सिया-रवि के कजिंस अर्जुन-पीहू भी घर के ऊपर वाले फ्लोर पर साथ ही रहते हैं। आज संडे था। बारिश में मौसम सुहाना होने से बच्चे पूरी तरह मस्ती के मूड में हो गए।

'चलो बाहर चलते हैं!' रवि चहकते हुए बोला।

'बारिश में भीगने...?' पीहू ने आंखें फैलाते हुए पूछा। 'हां! और कागज की नाव भी बनाएंगे, पानी में बहाएंगे!' अर्जुन ने उछल कर कहा।

चारों भाई-बहन भागे-भागे पुराने रजिस्टर निकाल लाए। पन्ने फाड़े गए। देखते-देखते कई सुंदर नावें बन गईं।

'मेरी नाव सबसे लंबी है!' रवि ने हाथ ऊपर उठाकर अपनी नाव हवा में घुमाई।

'पर मेरी सबसे सुंदर है!' पीहू ने उस पर बनाई गुलाबी तितली दिखाते हुए कहा।

'चलो! बाहर इन्हें पानी में बहाते हैं!' सिया ने कहा और सब बाहर की ओर दौड़ पड़े।

बाहर बारिश का पानी बह रहा था। एक-एक कर सबने अपनी नावें पानी में छोड़ दीं।

नावें डगमगाईं, दो उलट गईं, दो बहती चली गईं।

'अर्जुन! तेरी नाव तो उलट गई!' रवि बोला।

'कोई बात नहीं, अगली बार मजबूत बनाऊंगा!' अर्जुन बोला। बारिश तेज हो गई थी। बच्चों के चेहरों पर खुशी बढ़ती जा रही थी।

'चलो नावों की रेस करते हैं, नई नावें बनाते हैं।' सिया बोली।

'जिसकी नाव सबसे दूर जाएगी, वही विजेता!' पीहू ताली बजाते हुए बोली।

नावें फिर से बनाई गईं, बहते पानी में छोड़ी गईं। रवि की नाव आगे निकली, फिर अचानक किसी ईंट से टकरा कर रुक गई। उधर पीहू की नाव सबसे दूर पहुंच गई।

'मैं जीत गई!' पीहू उछल पड़ी।

'अगली बार मैं हवाई जहाज बनाऊंगा, उसे उड़ाएंगे!' अर्जुन ने कहा।

'नहीं, अगली बार हम सब मिलकर एक बड़ी नाव बनाएंगे।' रवि बोला, 'और उसमें झंडा भी लगाएंगे!'

सभी बच्चों ने हामी भरी और ठहाका मार कर हंस पड़े। तभी बिजली कड़की, एक पल के लिए बच्चे डर गए। लेकिन डर भी मजेदार था, क्योंकि सब साथ थे।

बारिश में सब भीग चुके थे। कपड़े गीले हो गए थे, लेकिन बच्चे बहुत खुश थे। आज किसी को मोबाइल की याद नहीं आई, ना ही वीडियो गेम की। आज सिर्फ बारिश थी, कागज की नावें थीं, सबकी खिलखलाती हंसी थी। काफी देर तक सभी बारिश की मस्ती में डूबे रहे। जब थक गए तो चारों बच्चे घर के भीतर लौट आए। तौलिए से देह पोंछी, अपने भीगे कपड़े बदले। सिया की मम्मी ने सबको गर्म दूध पीने को दिया। इसके बाद चारों बच्चे बिस्तर पर चादर ओढ़कर लेट गए। देर तक पानी में भीगने से सबको जाड़ा लग रहा था।

'आज मजा आ गया..!' रवि बोला।

'हम रोज साथ खेलेंगे, चाहे बारिश हो या न हो, एक साथ खेलना कितना अच्छा लगता है!' पीहू बोली।

'हां बहुत अच्छा लगता है, मोबाइल से ज्यादा मजा तो सबके साथ असली खेल खेलने में आता है।' सिया चहकते हुए बोली। इस पर सभी बच्चों ने भी सिर हिलाकर हामी भरी। *

कविता
सतीश मिश्र

एआई इमेज

बारिश की छम-छम

रिमझिम बारिश की छम-छम,
बिजली चमक रही चम-चम।
छप-छप-छैया पानी में,
खेल रहे हैं सब मिल हम।
कोई तैराता नैया
कागज की सरपट भैया।
कोई अपने आंगन में,
नाच रहा ता-ता थैया।
अंजुरी में पानी भरकर
गीली मिट्टी से रचकर
कुछ बच्चे दरवाजे पर,
बना रहे हैं अपना घर।
उस घर की छत पर छानी,
क्या मजाल टपके पानी।
जिसमें गुड्डा बैठाया,
और साथ गुड़िया रानी।

अंतर बताओ

बच्चो, यहां पपी हाउस के बाहर बैठे एक क्यूट पपी के दो चित्र दिए गए हैं। इन चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम फटाफट तीन मिनट में ये पांचों अंतर ढूंढ़कर बताओ।

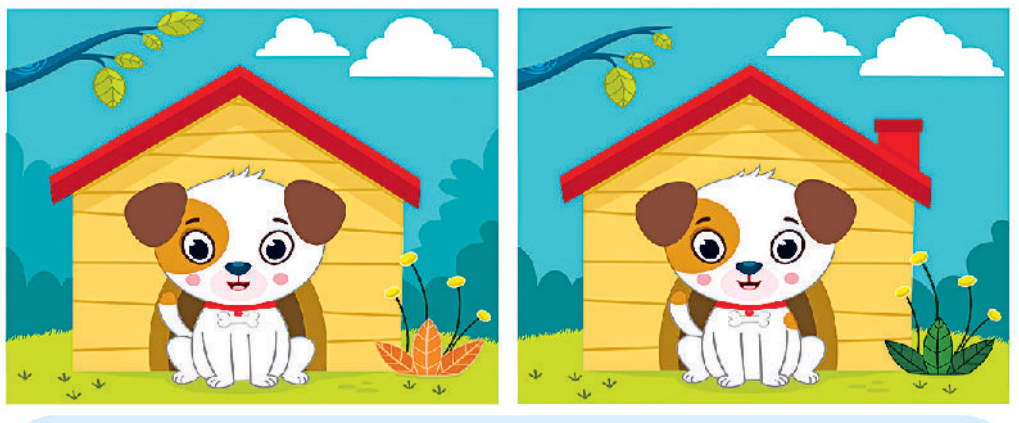

उत्तर : 1.पीछे बाईं तरफ पेड़ की डाली में एक पत्ती कम दिख रही है। 2.पपी डॉगहाउस के पीछे बाईं और दाईं दोनों तरफ अलग बैकग्राउंड दिख रहा है। 3.पपी डॉगहाउस में दाईं तरफ शिफ्टेड दिख रहा है। 4.आगे दाईं तरफ फूल के पौधे की पत्तियों का कलर डिफरेंट है। 5.पपी की गर्दन के नीचे दाईं तरफ एक स्पॉट दिख रहा है।

परछाई पहचानो

बच्चो, यहां बाईं तरफ एक आदमी और डॉगी का चित्र दिया गया है। चित्र के दाईं तरफ कुछ परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ, दिए गए चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

उत्तर : f

खबर संक्षेप

जेजेपी के प्रदेश अध्यक्ष आज रोहतक में

रोहतक। जेजेपी जिला रोहतक प्रभारी हरज्ञान मोखरा एवं जिलाध्यक्ष रोहतक डॉ संदीप हुड्डा ने बताया कि 18 जुलाई को जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला युवा जोड़ो अभियान के तहत रोहतक में पहुंचेंगे। जिले के गांवों महम हल्के के खरकड़ा, मदीना , समरगोपालपुर, हल्का गढ़ी सांपला किलोई के चिड़ी, घिलोड़, मकड़ौली, किलोई, हल्का कलानौर के बलियाना, काहनौर, और रोहतक शहर में सैनी धर्मशाला में प्रोग्रामों मे युवाओं से संवाद करेंगे।

महम में कार्यकर्ताओं से मिले अभय चौटाला

महम। वीरवार को दिल्ली से सिरसा जाते समय इनेलो सुप्रीमो अभय सिंह चौटाला महम में रुके। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनक कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने इनेलो प्रवक्ता संदीप नेहरा की गाड़ी पर इनेलो पार्टी की झंडी लगाकर उनको बधाई दी। कहा कि संदीप पार्टी का एक मजबूत साथी है। जिसने पहले भी पार्टी को महम में मजबूती प्रदान करने के लिए खूब मेहनत की है और अब भी नए सिरे से पार्टी को महम में मजबूती देने का काम करेंगे।

बाढ़ नियंत्रण को लेकर ड्यूटी लगाई

महम। बरसाती पानी की निकासी अथवा बाढ़ के संबंध में लघुसचिवालय महम में स्थापित किए गए बाढ़ बचाव नियंत्रण कक्ष में महम के एसडीएम ने शिफ्ट वाइज कर्मचारियों की ड्यूटी लगाइ है तथा बाढ बचाव के संबंध में जनता का सहयोग करने के लिए पाबंद किया गया है। बाढ़ बचाव नियंत्रण कक्ष स्थानीय लघु सचिवालय के कमरा नम्बर-6 में स्थापित किया गया है। उपमंडल अधिकारी ने बताया कि उपमंडल में बाढ़ नियंत्रण प्रबंधन और बाढ़ राहत गतिविधियों के समन्वय के लिए सोमवार से शुक्रवार तक कुशल बिल क्लर्क मोबाईल - 9017581767 व अशोक कुमार कनिष्ठ अभियंता सिंचाई विभाग मोबाईल नम्बर-9671616475 (प्रातः 9 बजे से सांय-5 बजे तक) ड्यूटी पर रहेंगे।

बैठक में जिला कोर्डिनेशन अधिकारियों व बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिए

बैंक 31 जुलाई तक कर्जदार किसानों का प्रीमियम काटें : एलडीएम

किसान कृषि रक्षक पोर्टल पर दर्ज करवा सकते हैं शिकयत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। मीटिंग लेते एलडीएम महाबीर प्रसाद। *फोटो : हरिभूमि*

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ सीजन की तैयारी के लिए स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में एलडीएम की अध्यक्षता में बैंकर्स की बैठक आयोजित हुई। एलडीएम महाबीर प्रसाद ने बैंकों के जिला कोर्डिनेशन अधिकारियों व बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिए कि सभी ऋणी किसानों का प्रीमियम 31 जुलाई 2025 तक अवश्य काटे और 15 अगस्त तक पूरा डाटा किसान की फसल अनुसार व फसल गांव के अनुसार पोर्टल पर अवश्य अपलोड करें। ताकि किसान का बीमा किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सभी बैंक अपना कार्य तत्परता व सावधानी पूर्ण करें ताकि किसानों को किसी प्रकार की समस्या ना हो। एलडीएम महाबीर प्रसाद ने कहा कि यह योजना ऋणी किसानों के लिए भी स्वैच्छिक है। और जो ऋणी किसान बीमा नहीं करवाना चाहता है वह 24 जुलाई तक सम्बन्धित बैंक में लिखित में दे सकते है। अन्यथा ऋणी किसानों का बीमा बैंक द्वारा कर दिया जाएगा। यदि किसी किसान ने बदल कर फसल बोई है, तो वह भी समय रहते बैंक को सूचना दें। ताकि सही फसल का प्रीमियम काटा जा सके। सभी बैंक प्रबंधको को बताया की समय रहते अपने पूर्ण डाटा को सभी बैंक चेक कर लेवे ताकि सही फसल का बीमा किया जा सके और पोर्टल पर भी फसल गांव के अनुसार अपलोड करे तथा सभी बैंक प्रबंधक अगर कोई किसान बीमा ना करवाने के लिए लिखित में नहीं देता है तो बैंक रिकॉर्ड अनुसार बीमा करना सुनिश्चित करे। भारतीय कृषि बीमा कम्पनी से जिला प्रबन्धक सुनील भारती ने सभी बैंक प्रबंधकों को प्रीमियम काटने व पोर्टल पर अपलोड करने बारे आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी ताकि बीमा करने में कोई परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि बीमित फसल में कोई स्थानीय आपदा (ओलावृष्टि, जलभराव (धान फसल छोड़कर), भूस्खलन) आने पर व्यक्तिगत शिकायत किसान 72 घंटे के अंदर ऑनलाइन, क्रॉप इंश्योरेंस ऐप तथा कृषि रक्षक पोर्टल हेल्पलाइन 14447 के द्वारा दर्ज करवा सकते है ताकि स्थानीय आपदा बारे हुए नुकसान की भरपाई की जा सके। यहां कृषि विभाग से सांख्यिकी सहायक विकास और बीमा कम्पनी से सचिन मिश्रा, सोनू व बैंक प्रबंधक मौजूद रहे।

बीमा के लिए प्रीमियम निर्धारित

सहायक कृषि सांख्यिकी अधिकारी विनोद हुड्डा ने बताया कि सरकार द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत बीमा के लिए प्रीमियम निर्धारित किया गया है। इसके अनुसार धान फसल के लिए 2124.98 रुपए प्रति हेक्टेयर, कपास फसल के लिए 5435.05 रुपए प्रति हेक्टेयर, बाजरा फसल के लिए 1024.36 रुपए प्रति हेक्टेयर और मक्का फसल के लिए 1089.74 रुपए प्रति हेक्टेयर के हिसाब से किसान को प्रीमियम देना होगा और गैर ऋणी किसान बीमा करवाना चाहता है तो किसी भी कॉमन सर्विस सेंटर पर जाकर फसल बीमा करवा सकते है।

रोहतक। पौधारोपण करते स्कूल की डायरेक्टर सान्या मायना व विद्यार्थी।

जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल किया पौधरोपण

रोहतक। जीडी गोयनका इंटरनेशनल स्कूल के सीनियर वर्ग में एक पौधरोपण अभियान चलाया गया। जिसका आयोजन संस्थान के इको क्लब के सदस्यों द्वारा किया गया था। कक्षा 5वीं से 8वीं के छात्रों ने बड़ी उत्साह के साथ इस अभियान में भाग लिया। छात्रों ने कम उपयोग करें, पुनः उपयोग करें और पुनर्जीवित करें, पानी बचाएं, पृथ्वी बचाएं, और हरित पृथ्वी के संदेश भी दिए। यह अभियान गतिविधि प्रभारी सुनैना चौधरी के मार्गदर्शन में अच्छी तरह से संचालित किया गया। स्कूल की डायरेक्टर सान्या मायना ने कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि छात्रों में जिम्मेदारी की भावना भी जगाते हैं। डायरेक्टर विक्रांत मायना और सहनिदेशक हिमांशु गुप्ता ने इको क्लब के अभियान को प्रोत्साहन देते हुए बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश दिया। प्रधानाचार्या सविता नेहरा ने बच्चों को इस तरह की और अधिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पर्यावरण और मनुष्य का आपसी तालमेल पृथ्वी पर जीवन का सबसे महत्वपूर्ण जरिया है।

द आर्यन ग्लोबल स्कूल में हुई अंतःगृह बैडमिंटन प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

झज्जर-रोहतक मार्ग पर स्थित द आर्यन ग्लोबल स्कूल में कक्षा 6 से 8 की छात्राओं के बीच अंतःगृह बैडमिंटन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में खेल के प्रति रुचि को बढ़ावा देना, उनमें आत्मविश्वास का विकास करना और प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता में विद्यालय की चारों हाउस की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बेहतरीन खेल प्रतिभा का परिचय दिया। सभी खिलाड़ियों ने अनुशासन, सजगता और खेल भावना के साथ मुकाबला किया। प्रतियोगिता में कारगिल हाउस की कक्षा 7 की छात्रा तान्या ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता में विजयी स्थान हासिल किया। तान्या का खेल कौशल, तीव्र प्रतिक्रिया और मानसिक एकाग्रता सभी के लिए प्रेरणादायक रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को आशीर्वाद प्रदान किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

रोहतक। खिलाड़ियों के साथ विद्यालय के प्रधानाचार्य आरके खन्ना।

महम। खंड कार्यालय में पीपल का पौधा रोपित करते नवनियुक्त बीडीपीओ मुकुल दहिया व उनके साथ मौजूद पंचायत विभाग के कर्मचारी और क्षेत्र के जनप्रतिनिधि।

मुकुल दहिया ने बीडीपीओ का संभाला कार्यभार

महम। पिछले कई साल से महम को स्थाई बीडीपीओ नहीं मिल रहा था। खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी का पद या तो खाली था या फिर किसी अधिकारी को अतिरिक्त कार्यभार देकर काम चलाया जा रहा था। अब महम को स्थाई बीडीपीओ मिल गया है। वीरवार को मुकुल दहिया ने बीडीपीओ का कार्यभार ग्रहण किया है। उनकी महम में पहली नियुक्ति है। ड्यूटी ज्वाइन करते ही उन्होंने खंड कार्यालय परिसर में पीपल का पौधा लगाया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुकुल दहिया ने कहा कि गांवों का विकास करवाना उनकी प्राथमिकता है। लेकिन युवाओं पर उनका विशेष फोकस रहेगा। क्योंकि वे खुद खिलाड़ी रहे हैं और खेल के महत्व को समझते हैं, खेलों से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ा जाएगा। शारीरिक रूप से युवाओं का तंदरूस्त होना जरूरी है। साथ ही शिक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। बीडीपीओ मुकुल दहिया मूल रूप से सोनीपत जिले की राई तहसील के बिंदरौली गांव के निवासी हैं। डीयू के किरोड़ीमल कॉलेज से इन्होंने स्नातक की परीक्षा पास की थी और डीयू से ही इन्होंने एलएलबी की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। एचसीएस परीक्षा पास कर एलाइड सर्विस के तहत इनको बीडीपीओ के पद पर नियुक्ति मिली है और पहली पोस्टिंग महम में हुई है। खंड कार्यालय में पंचायत समिति महम के चेयरमैन नवनीत राठी, बहलबा गांव के सरपंच कुलदीप, खेड़ी महम के सरपंच समुंद्र सिंह, पंचायत सचिव सुधीर, रामनिवास नहरा व क्लर्क दीपक समेत कई जनप्रतिनिधियों ने उनको फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया।

किसान सभा ने महम क्षेत्र में बरसात से तबाह फसलों का जायजा लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पानी की कमी पर किसानों ने जताई चिंता

प्रीत सिंह ने बताया कि पानी की स्थिति को देखते हुए लगता है कि हजारों एकड़ एरिया तो खाली ही रहेगा । आज किसान सभा ने कलानौर पटवापुर,बलम, में और महम के बलम्बा के खेतों का दौरा किया । जहां सैकड़ों एकड़ में पानी भरा हुआ है और पानी की निकासी समय रहते ना ही तो किसानों को आर्थिक नुक्सान वहन करने को मजबूर होंगे। किसान सभा ने नुकसान की स्पेशल गिरदावरी करवाने, क्षतिपूर्ति पोर्टल खोलने और पीड़ित किसानों के लिए मुआवजे की मांग की है।

अखिल भारतीय किसान सभा ने पिछले दिनों हुई बारिश के चलते खेतों में अत्यधिक जलभराव से प्रभावित गावों का दौरा किया और किसानों को हुए नुकसान का आंकलन किया। किसान सभा ने खेतों में जलभराव होने से किसानों को होने वाले नुक्सान पर चिंता व्यक्त की है और प्रशासन से पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा मिले,पानी की निकासी के प्रबंध करने की मांग की है । किसान सभा जिला प्रधान प्रीत सिंह ने बताया कि पिछले दिनों जिला के कलानौर,महम तहसील के दर्जनों गांवों में बारिश के चलते खेतों में अत्यधिक जलभराव हो गया है। खेत पूरी तरह डूबने और समय रहते पानी निकासी न होने से किसानों की फसलों को नुकसान हो रहा है । जिन गावों में बाजरा,कपास की फसल थी उसके बचने की कोई संभावना नहीं है। साथ ही जहां किसानों ने धान लगाई थी वो भी पूरी तरह डूबने से नष्ट हो जाएगी। और किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ेगा।

किसान सभा राज्य महासचिव सुमित दलाल ने कहा कि प्रदेश के कई जिले जिसमें हिसार, भिवानी,रोहतक में हजारों एकड़ में किसानों की फसल बर्बाद हो गई। लेकिन अभी तक सरकार ने किसानों के नुकसान के आंकलन के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं दिए। न ही पानी निकासी के कार्य को तेज गति से अंजाम में लाया जा रहा ।

संतोष कैंसर फाउंडेशन द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

रोहतक। जनकल्याण और सामाजिक सेवा के उद्देश्य को साकार करने की दिशा में संतोष कैंसर फाउंडेशन एवं वी केयर मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में सैनी धर्मशाला में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 से अधिक मरीजों ने पंजीकरण करवा कर विभिन्न रोगों से संबंधित परामर्श एवं जांच सेवाओं का निःशुल्क लाभ लिया। शिविर के प्रति आमजन की जागरूकता और उत्साह यह दर्शाता है कि समाज में इस प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं की व्यापक आवश्यकता है। डॉक्टरों की टीम में डॉ. विकास कक्कड़, डॉ. भूषण कथूरिया, डॉ. श्याम नागपाल, डॉ. हिमानी ढींगरा, डॉ. रोहित अरोड़ा, डॉ. शैलेंद्र बामल, डॉ. महेश यादव और डॉ. महक अरोड़ा शामिल रहे।

मार्केट न्यूज

महिंद्रा ने एक्स यूवी 3 एक्स ओ रेवेक्स सीरीज की लॉन्च

रोहतक। वीरवार को दिल्ली रोड स्थित लोहचब मोटर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने द–पेज होटल में नई एक्स यूवी 3 एक्स ओ रेवेक्स सीरीज़ लॉन्च की। इस कार्यक्रम में 37 घंटे सूर्य नमस्कार करने के रिकॉर्ड धारक संदीप आर्य मुख्य अतिथि रहे। लोहचब मोटर के जी.एम. पवन खत्री ने बताया कि एक्स यूवी 3 एक्स ओ रेवेक्स सीरीज़ को रु. 8.94 लाख की प्रारंभिक एक्स-शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। उन्होंने बताया कि इस मॉडल ने एक साल से भी कम समय में 1 लाख से अधिक यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया है, जो महिंद्रा की अब तक की सबसे तेज़ बिकने वाली एक्स यू वी बनी है। एक्स यूवी 3 एक्स ओ रेवेक्स सीरीज़ उन ग्राहकों के लिए है जो अपनी अलग पहचान चाहते हैं। एक्स यूवी 3 एक्स ओ रेवेक्स सीरीज़ में जिसकी एक्स शोरूम कीमत 8.94 लाख है। 1.2 लीटर एल इंजन, छह एयरबैग, ई एस इ ऑल 4 डिस्क ब्रेक, स्टाइलिश ड्यूल टोन रूफ, एलइडी डीआर एल फीचर उपलब्ध हैं। वहीं दूसरे मॉडल एस आई रेवेक्स एम (ओ) की एक्स शोरूम कीमत 9.44 लाख रूपये है। जिसमें उपरोक्त बेस माडल के सभी फीचर के अलावा सिंगल पेन सनरूफ के अतिरिक्त फीचर के साथ उपलब्ध रहेगी। इस एसयूवी के टॉप मॉडल रेवेक्स ए जिसकी एक्स शोरूम की कीमत 11.79 लाख रूपये से शुरू होती है, इस मॉडल में 1.2 लीटर टी जी डी आई इंजन, 96 के डब्लू पावर, 230 एन एम टॉर्क, पैनोरमिक सन्रूफ, ट्विन एचडी स्क्रीन, वायरलेस कनेक्टिविटी जैसे प्रीमियम फीचर्स से लैस है। यह तीनों वेरिएंट्स पाँच आकर्षक रंगों गैलेक्सी ग्रे, टैंगो रेड, नेबुला ब्लू, एवरेस्ट व्हाइट और स्टेल्थ ब्लैक में उपलब्ध हैं।

न्यूज डायरी

रोहतक। पानी की समस्या के लिए उपमंडल कार्यालय पहुंचे प्रेम नगर कॉलोनी वासी। *फोटो : हरिभूमि*

पानी की समस्या को लेकर तीन माह से परेशान लोग

रोहतक। प्रेम नगर में करीब तीन महीने से जलापूर्ति की समस्या बनी हुई है। समस्या के समाधान के लिए स्थानीय लोगों ने करीब तीन महीने में पांच बार शिकायत दी हैं। इसके बाद भी कोई हल नहीं हो रहा है। कॉलोनी वासियों ने बताया कि पूरे टाइम पानी नहीं सप्लाई नहीं हो रहा है। जब पानी की सप्लाई होती है, तब गंदा पानी नलों में आ रहा है। वीरवार को उपमंडल कार्यालय में पहुंचे कॉलोनी वासियों को अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि अगले एक सप्ताह में समस्या का समाधान किया जाएगा। इस मौके पर सुरेन्द्र पंवार, राजवीर सिवाच, आजाद राठी, सत्यनारायण हुड्डा, प्रेम सिंह, प्रताप सिंह, सुखबीर अहलावत, राजेंद्र सिंह, सरला देवी, परमेश्वरी देवी आदि रहे।

बूथ स्तर अधिकारियों का प्रशिक्षण संपन्न

रोहतक। जिला की चारों विधानसभाओं के बूथ स्तर अधिकारियों को दो चरणों में दिया जा रहा प्रशिक्षण वीरवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण के दौरान बूथ स्तर अधिकारियों को बीएलओ ऐप, वोटर हेल्पलाइन के अलावा अन्य तकनीकी जानकारी दी गई। ताकि वे सुगमता से इस कार्य को पूर्ण कर सके।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार देशभर के बूथ स्तर अधिकारियों को नेशनल लेवल ट्रेनिंग दी जा रही है। प्रथम चरण में 8 से 11 जुलाई तक जिला की गढ़ी-सांपला-किलोई एवं रोहतक विधानसभाओं के बूथ स्तर अधिकारियों को 50-50 बीएलओ के बैच में प्रशिक्षण दिया गया। दूसरे चरण में 14 से 17 जुलाई तक महम एवं कलानौर (अजा.) विधानसभाओं के बूथ स्तर अधिकारियों को 50-50 के बैच में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षकों द्वारा बूथ स्तर अधिकारियों को फार्म-6, 7, 8 इत्यादि के बारे में पूर्ण जानकारी दी तथा नई वोट बनाने, विवरण में सुधीकरण, वोट ट्रांसफर करना तथा वोट काटने से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई।

न्याय दिवस के बारे में जानकारी दी

रोहतक। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान की देखरेख में वैश्य कॉलेज ऑफ लॉ में विश्व अंतर राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ताओं ने विद्यार्थियों को विस्तृत रूप से जानकारी दी तथा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान की देखरेख में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्व अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस के बारे में संपूर्ण जानकारी दी गई तथा कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम के बारे में बताया गया। सीजेएम डॉ. तरन्नुम खान ने इन प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट भेंट कर सम्मानित किया तथा उनका मनोबल बढ़ाने के लिए कहा कि भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे इन कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी कला का प्रदर्शन करें।

कुलपति के जन्मदिन पर एमडीयू में लगाए गए 61 फल व छायादार पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। पौधारोपण करते मुख्यातिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर,कुलपति प्रो. राजबीर सिंह,चीफ वार्डन गर्ल्स प्रो. सपना गर्ग,डॉ. लक्ष्मी गुप्ता,कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत व डीन, एकेडमिक एफेयर्स हरीश कुमार।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के अभिलाषा कन्या छात्रावास परिसर में बृहस्पतिवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह के 61वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में 61 पौधे रोपित किए गए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को नई ऊर्जा मिली। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह, मुख्यातिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर, विशिष्ट अतिथि कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत, डॉ. लक्ष्मी गुप्ता और डीन, एकेडमिक एफेयर्स प्रो. हरीश कुमार समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों, फैकल्टी सदस्यों, कर्मचारियों और छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी की। इस पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विशेष रूप से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि मातृत्व के प्रति सम्मान भी दर्शाना है। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान को जन आंदोलन का रूप देना हमारा लक्ष्य है। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि यदि हर विद्यार्थी एक पेड़ लगाए और उसकी देखभाल करे, तो हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर पर्यावरणीय विरासत छोड़ सकते हैं।

गणेश वाल्मीकि के हत्यारों पर कार्रवाई की मांग

रोहतक। अनुसूचित जाति-जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ की एक आपातकालीन बैठक संघ के कार्यालय में आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अशोक कांगड़ा ने की। उन्होंने बताया की बैठक में हाल ही में हिसार में वाल्मीकि समाज के युवा गणेश की निर्मम हत्या की घटना पर गहरा शोक और आक्रोश व्यक्त किया गया तथा घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। संघ के महासचिव धर्मेंद्र गोठवाल एवं कृष्ण गोच्छी ने इस नृशंस हत्या पर चिंता व्यक्त करते हुए मांग की कि सरकार दोषियों के विरुद्ध शीघ्र एवं सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

RADHA SWAMI NURSING COLLEGE
(Recognised/Affiliated by Haryana Govt/HN&NMC/INC)
Approved by NIILM University
VPO Kharkara, Distt. Rohtak M. 9812072127
Admission & Guidance (Session 2025-26)
हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स करने के लिए संपर्क करें
Course | Duration | Eligibility
GNM (Nursing Officer) | 3 Years | 12th Any Stream
UNIVERSITY COURSE
X-Ray Technician, Physiotherapy, Fire Safety & Technician, Radiology & Imaging Technology, Medical Laboratory Technician
And many others Diploma/B.SC/M.SC
Degree Course offered by University.
Rohtak Off.: Radha Swami Medical Institute
Shastri Nagar Hisar Road Bye Pass, Rohtak M. 9812072127

Govt. Regd.
WINTRON LIBRARY
...peaceful place to win your dreams
FACILITIES
Peaceful with strict disciplined & Motivational environment
Situated in Sec-14 in front of MDU Gate No. 2
Best Lighting for study
Separate Seats for Girls
Employment Newspaper
Well furnished & Fully A.C.
Free Wi-Fi Zone
24x7 power backup
Parking Facility
CCTV Surveillance
Reserve Seats Available
Fix Seats Available
Seats with Computer Facility available
Address: SCO-6, Sector-14, Rohtak
Contact: 8930246662

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
सभी सरकारी सेवा में मान्य
आंगनबाड़ी सुपरवाईजर / सहायक / कार्यकर्ता
PHYSICIAN ASSISTANT
MULTI PURPOSE HEALTH WORKER
HEALTH SANITARY INSPECTOR
AYURVEDIC PHARMACY (DAP)
DENTAL HYGIENIST / MACHENIC
C.M.S. & ED / FIRST AID
MEDICAL LAB/ X-RAY TECH.
OPRATION THEATORE TECH.
OPTHALMIC ASSISTANT (DOA)
COMMUNITY HEALTH/EMT
FOOD SAFETY / VETERNARY INSPECTOR
PLASTER, DRESSER, NTT, PT, CTT
BAMS (ALT), BEMS (EH)
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221

खबर संक्षेप

नर्सिंग ऑफिसर ने वीसी डॉ. अग्रवाल को बधाई दी

रोहतक। पंडित भगवत दयाल शर्मा आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड मिलने पर वार्ड नंबर एक की नर्सिंग ऑफिसर ने कुलपति को पुष्प गुच्छ भेट कर बधाई दी। सभी स्टाफ मेंबर ने कुलपति को मिठाई खिलाई। वार्ड नंबर एक की सीनियर नर्सिंग ऑफिसर संतोष क्लोनिया तथा सोनी लड्ढवाल ने बताया कि संस्थान के किसी डॉ. को सम्मान जनक अवॉर्ड मिलना संस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि डॉ. एचके अग्रवाल के कुलपति पद पर आसीन होने के बाद संस्थान में सुधारात्मक कार्य जारी है। इस अवसर पर संतोष क्लोनिया, सोनी लड्ढवाल, सोनिका मालिक, दीपिका आदि मौजूद रही।

खरकड़ा व सैमाण गांव में लगाए चिकित्सा शिविर

महम। आयुर्वेदिक विभाग द्वारा वीरवार को खरकड़ा और सैमाण गांव में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए गए। खरकड़ा गांव में दादा खान वाली चौपाल में कैंप लगाया गया। इस कैंप में में डॉक्टर रेखा और डॉक्टर जितेंद्र ने 82 लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को खानपान के बारे में समझाया। योगाचार्य अमित अहलावत ने रोग के अनुसार योग के बारे में समझाया। मरीजों को फ्री में दवाइयां प्रदान की गई। इस दौरान शुगर व बीपी की जांच भी की गई। सैमाण गांव में डॉक्टर राजेश ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की। योग ट्रेनर विकास सिवाच और सुखबीर ने ग्रामीणों को योग अनुसार योग का अभ्यास करवाया। प्रोमिला देवी और फार्मासिस्ट जयभगवान ने लोगों को निशुल्क दवाइयां वितरित की।

रि-ओपन शिकायतों पर ध्यान दें अधिकारी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समाधान शिविर की रि-ओपन हुई शिकायतों पर भी ध्यान केंद्रित करें। समाधान शिविर में प्राप्त हर शिकायत का यथाशीघ्र उचित निपटारा किया जाए। कुमार लघु सचिवालय स्थित के सभागार में नगर निगम के संयुक्त आयुक्त भूपेंद्र सिंह, राजपाल चहल, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल के साथ शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई कर रहे थे।

फैक्ट्री की चिमनी का धुआं हजारों लोगों का स्वास्थ्य बिगाड़ रहा : जैन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा सरकार जहां एक तरफ पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है, वहीं दूसरी और खरावड़ बाईपास पर स्थित खादय पदार्थ बनाने वाली प्राइवेट फैक्ट्री संचालक वातावरण को प्रदूषित करने में कोई कौर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इन फैक्ट्री की चिमनी से निकलने वाले प्रदूषित धुंए से हजारों लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्वयं इस समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन उसके बावजूद अधिकारियों के कानो पर जूं तक नहीं रेंग रही है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी फैक्ट्री मालिक के साथ मिली भगत कर हजारों लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। यह आरोप बृहस्पतिवार को समाजसेवी एवं एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान लगाए।

प्राइवेट फैक्ट्री की चिमनी से 24 घंटे प्रदूषित धुंआ निकलता है

राजेश जैन ने कहा कि खरावड़ बाईपास स्थित एक प्राइवेट फैक्ट्री की चिमनी से 24 घंटे प्रदूषित धुंआ निकलता रहता है, जिससे कारण हजारों लोगों के स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ रहा है। इतना ही नहीं इस संबंध में सीएम विंडो पर भी शिकायत दर्ज करवाई गई, लेकिन आज तक कोई कारवाई नहीं हुई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रोहतक आगमन के दौरान मौके पर उन्हें इस समस्या बारे अवगत कराया गया, लेकिन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फैक्ट्री संचालक के खिलाफ कोई कारवाई नहीं की गई है।

शिकायत देने के बावजूद समाधान नहीं

सैंपल भी परीक्षण में फेल, प्रदूषण विभाग ने आंखें बंद की

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन ।

राजेश जैन ने बताया कि इतना ही नहीं प्रदूषण विभाग द्वारा चिमनी से निकलने वाले धुंए के जो सैम्पल लिए गए थे, वह भी परीक्षण में असफल रहे हैं। आरोप लगाया कि सैम्पल फेल होने के बावजूद भी लगातार फैक्ट्री की चिमनी से प्रदूषित धुआं निकल रहा है और प्रदूषण विभाग आंख बंद किए हुए यह सब देख रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह से सैनी से मांग कि हजारों लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ ना किए जाए और वातावरण को दूषित करने वाले फैक्ट्री संचालक व प्रदूषण बोर्ड के लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कारवाई की जाए।

मायना की लेफ्टिनेंट निशा ने हासिल किया फर्स्ट रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मायना गांव की बेटी लेफ्टिनेंट निशा पंघाल ने 4 कोर हेडक्वार्टर आसाम में अंडर-5 ईयर ऑल ऑफिर में फर्स्ट रैंक हासिल करते हुए अगले साल कैप्टन बनने का रास्ता तय कर लिया है। कमांडर ने लेफ्टिनेंट निशा पंघाल को बधाई दी है। निशा ने डीएसएसएसबी में ऑल इंडिया 141 रैंक हासिल किया। उनकी दिल्ली में गोविंद बल्लभ पंत हॉस्पिटल में नर्सिंग ऑफिसर की पोस्ट के लिए ज्वाइनिंग अभी आई हुई है। निशा ने ईएसआईसी में ऑल इंडिया नर्सिंग ऑफिसर में 719 रैंक हासिल की है, जिसकी ज्वाइनिंग भी आई हुई है। लेकिन निशा ने बताया कि वो एक फौजी परिवार से है और देश की सेवा करना चाहती है।

रोहतक। निशा पंघाल

देश सेवा के दौरान शहीद सिंधु हमेशा यादों में रहेंगे: डॉ. शर्मा

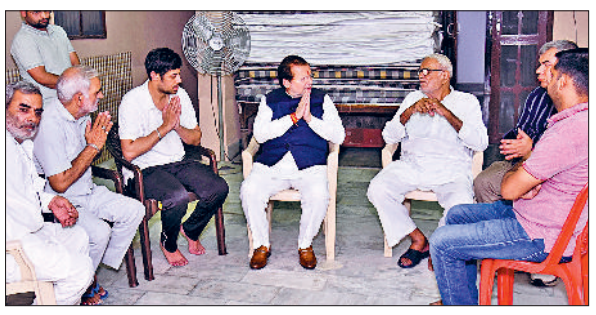

रोहतक। शहीद लोकेंद्र सिंह सिंधु के आवास पर परिजनों से मिलते मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रदेश के सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने 9 जुलाई को चुरू में हुए हादसे में शहीद हुए स्कवाड्रन लीडर लोकेंद्र सिंह सिंधु के आवास पर पहुंच कर श्रद्धासुमन अर्पित किए व परिजनों से मुलाकात करते हुए अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि पूरा देश इस दुख की घडी में शहीद के परिजनों के साथ है। वीरवार को बाद दोपहर सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा रोहतक पहुंचे तथा बीते दिनों शहीद हुए देव कालोनी निवासी लोकेंद्र सिंह सिंधु के आवास पर पहुंचे। उन्होंने शहीद को नमन करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए व परिजनों से मुलाकात की। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि लोकेंद्र सिंह सिंधु वायुसेना के एक बेहतरीन अधिकारी थे। उनके असामयिक तरीके से शहीद होने से न केवल वायुसेना, परिवार, अपितु पूरे देश को बडा नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि जांबाज अधिकारी के जाने के इस पहाड जैसे दुख को झेल रहे परिवार के साथ पूरा देश खडा है।

भगत सिंह छात्र संगठन ने कुल सचिव को ज्ञापन सौंपा

रोहतक। विरोध प्रदर्शन करते भगत सिंह छात्र संगठन के सदस्य।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भगत सिंह छात्र संगठन के अध्यक्ष प्रदीप मोटा ने एमडीयू के कुल सचिव व डीन एकेडमिक अफेयर को ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा कह एमडीयू के फिजिकल एजेकेशन विभाग के अंदर काफी गलती जानबूझकर की गई। विभाग के पीएचडी स्क्लोर की ड्यूटी लगाई जिनका विभाग में अब तक विभाग कोई रजिस्ट्रेशन ही नहीं हुआ। छात्रों से भेदभाव किया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने कई आरोप लगाए। उनके साथ जिला प्रधान हिमांशु देशवाल, छात्र नेता निशांत , छात्र नेता आदित्य नैन, छात्र नेता साहिल, छात्र नेता रमन वत्स, छात्र नेता विनय वत्स, सूरज महम, मोनू महम व अन्य छात्र मौजूद रहे।

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने अधिकारियों के साथ बैठक की

सीईटी की परीक्षा नकल रहित संपन्न करवाने के लिए तैयारियां शुरू, प्रशासन ने कमर कसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

26 व 27 जुलाइ को होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) को नकलरहित व शांतिपूर्वक संपन्न करवाने के लिए प्रशासन ने तैयारियां शुरू करा दी हैं। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीईटी को नकलरहित करवाने के सभी अधिकारी जिम्मेदारी से कार्य करें। सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएं। परीक्षार्थियों के लिए यातायात सुविधा, ठहरने व सुरक्षा के भी पुख्ता प्रबंध किए जाए।

धर्मेंद्र सिंह स्थानीय लघु सचिवालय स्थित सभागार में सीईटी की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सीईटी की परीक्षा को पारदर्शी व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए फ्लाइंग स्कवैड टीमें गठित की जाएगी तथा ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए जाएंगे। जिला खजाना कार्यालय से परीक्षा केंद्रों तक प्रश्न पत्र पहुंचाने तथा परीक्षा के उपरांत उत्तर पुस्तिकाएं जिला खजाना कार्यालय में जमा करवाने के लिए भी टीमें गठित की जाएगी, जो पुलिस सुरक्षा के बीच कार्य को अंजाम देंगी। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कौशिक, रोहतक के उपमंडलाधीश आशीष कुमार, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की सचिव मेजर गायत्री अहलावत मौजूद रहे।

रोहतक। अधिकारियों की मीटिंग लेते उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह।

सुविधा के लिए बसों के होंगे प्रबंध

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि प्रातः कालीन व सायंकालीन सत्रों में होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा के लिए जिला से बाहर जाने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए बसों के प्रबंध किए जाए तथा दूसरे जिलों से रोहतक में परीक्षा देने आने वाले परीक्षार्थियों के ठहरने, परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने तथा वापस बस स्टैंड या अन्य निर्धारित स्थल तक पहुंचने के लिए मिनी बसों, ऑटो, ई-रिक्शा की समुचित व्यवस्था की जाए। सुनिश्चित किया जाए कि ऑटो व ई-रिक्शा चालक परीक्षार्थियों से निर्धारित किराए से ज्यादा वसूल न करें। उन्होंने नगर निगम की संयुक्त आयुक्त से कहा कि वे धर्मशालाओं की लोकेशन सहित सूची उपलब्ध करवाएं।

रोहतक व महम में 68 परीक्षा केंद्र

26 व 27 जुलाई को दोनों सत्रों में जिला में परीक्षा में भाग लेने वाले परीक्षार्थियों के लिए शहर में 65 एवं महम में 3 परीक्षा केंद्र है। उपायुक्त ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी परीक्षा केंद्रों के सभी परीक्षा अधीक्षकों की बैठक कर उन्हें आयोग की हिदायतों से अवगत करवाएं। परीक्षा अधीक्षक की यह जिम्मेवारी रहेगी कि वे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत जिला प्रशासन अथवा नियंत्रण कक्ष को सूचित करें।उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सुनिश्चित किया जाए। इन सुविधाओं में पेयजल, बिजली, बैंच, दीवार घड़ी, व्हीलचेयर, रैंप आदि शामिल है।

तकनीक

बसों, परीक्षा केंद्रों व धर्मशालाओं की होगी गूगल मैपिंग

नरेंद्र कुमार ने कहा कि पुलिस द्वारा सुचारू यातायात व्यवस्था, सुरक्षा के प्रबंध किए जाएंगे। उन्होंने जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को निर्देश दिए कि वे बसों के रूट प्लान, धर्मशालाओं की लोकेशन, परीक्षा केंद्रों की लोकेशन की गूगल पर मैपिंग करें ताकि परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों में कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, घड़ी, आभूषण इत्यादि ले जाने की अनुमति नहीं होगी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी महेश भारद्वाज सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रदेश में कानून व्यवस्था की हालत खराब : निंबडिया

रोहतक। बेरोजगारी और महंगाई की मार, निर्मम हत्याएं, लूटपाट, साईबर ठगी की प्रतिदिन घटनाएं होना आम बात है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अड़ीचन्द निम्बडिया ने जारी ब्यान में कहा कि कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ रही है। मजदूरों, किसानों, गरीब आदमियों की हालत अत्यंत दयनीय है। उन्होंने कहा कि कई व्यक्तियों को साईबर ठगी के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ा जिससे उनको धन और समय का नुकसान सहन करना पड़ रहा है। निम्बडिया ने कहा कि लम्बे समय से कर्मचारियों की पुरानी पैंशन लागू नहीं की जा रही।

आउटरीच कार्यक्रम में 10 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृति किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा पैन इंडिया में रिटेल आउटरीच कार्यक्रम के तहत रोहतक मंडल के दो जिलों में 7 स्थानों पर आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल स्तर का कार्यक्रम रोहतक शहर में मंडल प्रमुख आरजू प्रवीन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

मंडल प्रमुख आरजू प्रवीन ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रिटेल ऋण के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी उपलब्ध करवाना, इसकी स्वीकृति में लगने वाले समय को कम कर मौके पर ही स्वीकृति देना एवं रिटेल ऋण का विकास करना है।कार्यक्रम में ग्राहकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया एवं बैंक कर्मियों द्वारा आने वाले ग्राहकों को रिटेल ऋण संबंधी बैंक द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं बारे जानकारी उपलब्ध करवाई गई। इच्छुक ग्राहकों द्वारा जरुरी कागजात उपलब्ध करवाए जाने के पश्चात मौके पर ही ऋण स्वीकृति प्रदान करने की व्यवस्था की गई थी। रेम प्रमुख नीरज कौशिक ने कहा कि कार्यक्रम में भाग लेने वाले ग्राहकों द्वारा 50 करोड़ रुपए की ऋण राशि के लिए आवेदन इकट्ठे किए गए एवं इनमें से मौके पर आवश्यक दस्तावेज संलग्न करने वाले आवेदकों के मौके पर ही 10 करोड़ रुपए की ऋण राशि के लिए मुख्य अतिथि द्वारा स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के संचालनकर्ता मुख्य प्रबंधक मनीष कुमार सिन्हा ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति से बैंक स्टाफ में उत्साह को बढ़ावा मिला है। इस मौके पर बैंक की विभिन्न शाखाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

रोहतक। मौके पर ग्राहकों को ऋण देते मंडल प्रमुख आरजू प्रवीन ,उपमंडलाधीश आशीष वशिष्ठ व मुख्य प्रबंधक मनीष कुमार सिन्हा

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

खेलने और पढ़ने की उम्र में ढाबों दुकानों पर मजदूरी कर रह बचपन

साढ़े तीन महीने में 46 बच्चे बालश्रम से मुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

छोटे छोटे बच्चे और बाल मजदूरी। सुनने में थोड़ा अटपटा लगता है लेकिन इस सच्चाई से इन्कार नहीं किया जा सकता है। बेशक इन बच्चों की उम्र पढ़ने और खेलने की है लेकिन कोई बाल मजदूरी कर रहा है तो कोई भीख मांग रहा है। भिक्षावृति करने वाले बच्चे ऐसे हैं जिनका कोई ठोर-ठिकाना नहीं हैं। पहचान के कोई कागज नहीं हैं। आज यहां तो कल वहां।

जस्ट राइटस फार चिल्ड्रन की सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इण्डिया की ओर से न्याय तक पहुंच परियोजना-4 के तहत बाल विवाह व बाल श्रम मुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत 1 अप्रैल से 17 जुलाई तक संस्था द्वारा मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) के सहयोग से 46 बच्चों को बाल श्रम एवं भिक्षावृति से मुक्त करवाया गया।

इन बच्चों को बाल कल्याण समिति के माध्यम से परिजनों को सौंपा गया है। इस दौरान परिजनों की काउंसलिंग भी गई है।

केस- 1 **बच्चे का पढ़ने में मन नहीं था**

बच्चे की उम्र साढ़े 13 साल है। बच्चा गलत संगत में न पड़ जाये इसलिए उसे काम पर लगाया गया था। बच्चे का पढ़ाई में मन नहीं था। घर पर रहता तो आवारा बच्चों की संगत में पड़ सकता था। इसलिए बच्चे होटल पर काम कर रहा था। बच्चे की मां ने कहा कि इसका पिता को घर की तरफ ध्यान नहीं देता। सारा दिन ताश खेलता है। अब बच्चा और मैं दोनों मजदूरी करके परिवार चलाने लायक कमा लेते हैं। मेरे बच्चे को पकड़ लिया। स्कूल तो जायेगा नहीं, इसलिए घर पर ही बैठाना पड़ेगा।

केस- 2 **घर में कमाने वाला कोई नहीं है**

12 साल का बच्चा जूते के शो रूम पर काम करता था। पिता के पास भी कोई काम धन्धा नहीं है। मां भी घरों में मजदूरी करके गुजारा करती है। आर्थिक तंगी के चलते बच्चा स्कूल नहीं जा पाया। घर का किसी तरह घर का गुजारा चल जाये इसलिए दुकान पर काम पर रखा था।

बाल मजदूरी करने वाले सभी लड़के

बाल श्रम करने वाले सभी मामलों में लड़के ही मिले। ये बच्चे जूते की दुकान, किरायाणा स्टोर, स्कूटर मोटर साइकिल रिपेयर की दुकानों, चाय और फूड कार्नर तथा होटलों पर काम करते मिले। अधिकतर बच्चे 9 साल से लेकर 16 साल तक के थे। काउंसिलंग के दौरान निकल कर आया कि बेरोजगारी बाल श्रम का मुख्य कारण हैं। किसी मामलें में बच्चे का पिता नहीं है तो किसी में मां बीमार है।

भीख मांगने के मामलों में लड़कियां अधिक

भीख मांगने वाले बच्चे ज्यादातर हरियाणा प्रदेश से बाहर के हैं, इनमें लड़कियां अधिक हैं। अधिकतर के परिवार कूड़ा बीनने का काम करते हैं। बच्चे भीख मांगते हैं। इन बच्चों के पास न आधार कार्ड होता है और कोई पहचान पत्र। स्थायी पता-ठिकाना भी नहीं होता। एमडीडी ऑफ इण्डिया हरियाणा के वीएसी विकास ने बताया कि एमडीडी ऑफ संस्था बाल अधिकारों के लिए काम कर रही है। उत्पीड़न के शिकार बच्चों की संस्था द्वारा हर संभव मदद की जाती है। साढ़े तीन महीने में संस्था द्वारा मानव तस्करी विरोधी इकाई (एएचटीयू) की मदद से 46 बच्चों को बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति से मुक्त करवाया गया। इन सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के बच्चों को प्रस्तुत करने के बाद इन बच्चों के माता-पिता की काउंसलिग की गई। कई मामलों में निकल कर आया कि पिता शराबी है इसलिए बच्चा बाल मजदूरी कर रहा था।

समस्त भाईचारा की ओर से लगाया पहला शिव कांवड़ सेवा शिविर

रोहतक। गोहाना रोड शनि देव मंदिर के पास मकडौली गांव की ओर से समस्त भाईचारा शिव कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया गया। इस शिविर में रहने की सुविधा, फर्स्ट एड मेडिकल सुविधा 24 घंटे सेवादारों के साथ जलपान की व्यवस्था का प्रबंध किया गया है। यहां की सेवा भावना देखते ही बनती है बबलू शिवसेवक ने बताया कि शिव भक्तों का यहां ठहराव होने लगा है, जिसमें शुद्ध भोजन की व्यवस्था भी की जाती है, व्रत रखने वाले शिव भक्तों के लिए फल फ्रूट और दूध की अवस्था भी की जा रही है। इस अवसर पर ईश्वर, बबलू शर्मा, संदीप, अजय, नरेंद्र काला, पंकज आदि आदि मौजूद रहे।